an>

Title: Need to bring a law or ordinance facilitating construction of Ram Mandir at Ayodhya in Uttar Pradesh.

श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल): सर्वविदित और ग्रंथों में वर्णित है कि भगवान श्री राम का जन्म अयोध्या में राजा दशरथ के यहाँ हुआ था। मर्यादा पुरूषोत्तम राम मंदिर निर्माण, असंख्य लोगों की आस्था और भावनाओं से जुड़ा है। 1885 में महंत रघुबरदास जी ने फैजाबाद अदालत में श्री राम मंदिर निर्माण की इजाज़त माँगी थी। तब से यह मामला उच्च न्यायालय से होते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय में मई 2011 से लम्बित है। माननीय उच्चतम न्यायालय को इसमें जल्दी-जल्दी सुनवाई कर यथाशीघ्र निर्णय देना चाहिए था। परन्तु माननीय उच्चतम न्यायालय ने जल्दी सुनवाई को टाल दिया। इससे लगता है कि माननीय उच्चतम न्यायालय भी इसका निर्णय शीघ्र करना नहीं चाहता जिससे देश की जनता का सब्र का बाँध टूटता जा रहा है और आशाएं क्षीण होती दिखाई दे रही हैं। ऐसी स्थिति में देश की असंख्य जनता की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए श्रद्धा और आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम मंदिर निर्माण शीघ्र-अतिशीघ्र कराना चाहिए।

मैं सरकार से करबद्ध निवेदन करता हूँ कि भगवान श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय में निर्णय में हो रही देरी के कारण सरकार को सदन में कोई कानून बनाकर रास्ता निकालना चाहिए या अध्यादेश लाकर असंख्य लोगों की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण का रास्ता प्रशस्त किया जाए।